

## **Interactions with Academic Counsellors at Bareilly**

An interaction session was organised on 1<sup>st</sup> May 2014 at IGNOU Regular Study Centre 2704, Bareilly College, Bareilly with the Academic Counselors and part time officials of the IGNOU Centre to discuss the strategies for enhancement of enrolment in the forthcoming July Session. Dr. Manorama Singh, Regional Director, Dr. Anil Kumar Misra, Deputy Director and Mr. Anshuman Upadhyaya, Assistant Regional Director participated in the interaction meeting. During the meeting, it was resolved that each academic counselor would disseminate the information about various programmes offered by IGNOU to the students approaching for admissions in the college.



### **Regional Director & other officials interacting with the Academic Counsellors**

Various suggestions came out during the meeting which included putting up flex banners at places where fresh 10+2 students would be approaching for admission. It was also suggested to develop a leaflet having comprehensive information about the programmes activated, methodology of teaching, education system for distribution amongst the prospective candidates and for distribution through the Newspapers.

The academic counselors of B.Ed. Programme were told by the Regional Centre officials to motivate the B.Ed. learners for pursuing short term add-on courses such as CIG, CIT, CES. One of the Assistant Coordinators, who happens to be Incharge of admission of the College, also assured that she would propagate about the Programmes being offered by IGNOU to the students who would be coming for admissions in the college campus.



The interaction was followed by the Press Conference in which more than 15 media persons from different media organizations were present. The media were briefed by the Regional Director about the initiatives being taken by IGNOU Regional Centre for spreading higher education in the region aiming for “Excellence through Education”. The Regional Director also informed about the new programmes which IGNOU has initiated at the study centre from July 2014 cycle. The media were also briefed by Mr. Anshuman Upadhyaya about the activities which have been undertaken in rural areas on pilot basis and after its success, it would also be implemented in the Rohilkhand region.

The media persons put forth various questions which were answered by the officials. One of the major questions raised during the Press Conference was for the activation of M.Ed. Programme at IGNOU Study Centre. It has been answered that as activation of M.Ed. was allowed by NCTE only at one centre in the region but the academic programme M.A. (Education) can be activated in case there is a demand in Rohilkhand region. Dr. Anil Kumar Misra also informed the Media persons about the Computer programmes offered by IGNOU at the centre and said that due to flexible admission rules, non-mathematics students can also become computer professionals by pursuing BCA/MCA programme from IGNOU.

The media was also informed about the educational intervention which IGNOU has made in Jails and in this regard, an Education Awareness-cum-Motivational camp has been planned on 2<sup>nd</sup> May at IGNOU Special Study Centre, Central Jail, Bareilly.

The Press Conference ended with the motion of thanks given by the Regional Director to the media persons with a request that they can spread the awareness of higher education from their platform, which is a must so that people may get to know



about the University which is committed to deliver quality and economic higher education at the doorsteps of the seekers.

07 • बरेली • शुक्रवार • 02 मई 2014 • हिन्दुस्तान

## एनसीटीई की अनुमति मिले तो शुरू होगा एमएड

**बरेली | प्रमुख संवाददाता**

बरेली कॉलेज में एमएड कोर्स शुरू करने में नेशनल काउंसिल फार टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) के नियम आड़े आ रहे हैं। छात्र काफी समय से बरेली कॉलेज स्थित इग्नू सेंटर में एमएड कोर्स की डिमांड कर रहे हैं। गुरुवार को बरेली कॉलेज पहुंची इग्नू की क्षेत्रीय डायरेक्टर ने कहा कि एमएड शुरू हो सकता है पर एनसीटीई के नियमों से बंधे हुए हैं। एक परिक्षेत्र में एमएड का एक ही सेंटर खोलने की अनुमति देती है। एनसीटीई से अनुमति मिले तो बरेली कॉलेज बरेली में एमएड का सेंटर खोला जा सकता है।

शिक्षा से सर्वोच्चता अभियान के तहत पहुंची बरेली कॉलेज स्थित इग्नू सेंटर पर



**प्रस वार्ता**  
3 मई 2014, बरेली कॉलेज, बरेली

उत्साहघर्षन के लिए शनिवार को कार्यक्रम होगा। जिला कारागारों में इग्नू अध्ययन केंद्र खोलने की भी योजना है। साथ ही इग्नू छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स एंटी वृथेन ट्रेनिंग कोर्स भी चला रहा है। कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. केके सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा मौजूद थे।

**छह माह का कोर्स फिर सीधे करें स्नातक की पढ़ाई** : थोड़ी बहुत पढ़ाई करने के बाद पढ़ना छोड़ चुके लोग भी अब स्नातक पाठ्यक्रम में सीधे दाखिला ले सकेंगे। बैचलर प्रिपरेटरी प्रोग्राम (बीपीपी) में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोग छह माह का बीपीपी प्रोग्राम करने के बाद इग्नू से स्नातक, डिप्लोमा पाठ्यक्रम कर सकेंगे।

बरेली कॉलेज में गुरुवार को इग्नू की क्षेत्रीय डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह पहुंची।

पहुंची रीजनल डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह ने अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अभियान के तहत महिलाओं, ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों एवं आर्थिक तथा सामाजिक रूप से

पिछड़ वर्गों को शिक्षा से जोड़ने की पहल है। ही बताया कि कारागार में बंद बंदियों के लिए निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। केंद्रीय कारागार में इग्नू अध्ययन केंद्र चल रहा है। बंदियों के

## 6 | दैनिक जागरण

बरेली, 2 मई 2014

### मंजूरी मिली तो बरेली में खुलेगा एमएड का सेंटर

**बरेली :** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के स्थानीय सेंटर से एमएड कोर्स के संचालन का इंतजार पूरा हो सकता है। प्रदेश में इसके अगले स्टडी सेंटर खोलने की मंजूरी मिलने पर स्थानीय सेंटर को प्राथमिकता पर रखा गया है। बरेली कॉलेज से संचालित हो रहे स्टडी सेंटर में गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने विश्वविद्यालय की ओर से हर वर्ग के लिए संचालित होने वाले कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी।

उन्होंने विश्वविद्यालय की अगली योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि केंद्रीय कारागार की तर्ज पर अब जिला कारागारों में भी विश्वविद्यालय के स्टडी सेंटर खोलने की तैयारी की जा रही है। इससे बड़ी संख्या में कैदियों को साक्षर बनाने के साथ ही प्रशिक्षित भी किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए विशेष कोर्स और जागरूकता कार्यक्रम के चलते हर वर्ष इस क्षेत्र के विद्यार्थियों की संख्या में 50 फीसद से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। शुक्रवार को केंद्रीय कारागार के बंदियों को उच्च शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा और नामांकित छात्रों को भी नई जानकारी दी जाएगी। इस दौरान बरेली कॉलेज स्टडी सेंटर के समन्वयक डॉ. कमल कुमार सक्सेना, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, अशुमान उपाध्याय आदि भी मौजूद रहे।

# अब सोशल वर्क इन काउंसिलिंग पढ़िए

## इग्नू ने एमए में शुरू किया नया कोर्स

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। अब सिर्फ एमए सोशल वर्क ही नहीं, बल्कि एमए सोशल वर्क इन काउंसिलिंग पढ़िए। इग्नू के इस नए कोर्स में दाखिले के लिए 20 जून तक आवेदन कर सकते हैं। लेट फीस के साथ 31 जुलाई तक का समय है। कोर्स करने के बाद परादर्शिता बनने का मौका मिलता है। बरेली कॉलेज में इग्नू स्टडी सेंटर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने यह जानकारी दी।

इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की ओर से उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए 'शिक्षा से सर्वोच्चता' अभियान शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत महिलाओं, गांव के लोगों और आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग को शिक्षा से जोड़ने के लिए



इग्नू की रीजनल डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह ने प्रेस वार्ता की।

प्रयास किए जा रहे हैं। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू की प्रवेश नीति 'जब चाहे तब प्रवेश पाओ' के तहत छात्र कभी भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के उप निदेशक डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि कृषि से संबंधित शिक्षा के प्रसार के लिए इग्नू छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स और एक साल का डिप्लोमा गांवों में रह रहे विद्यार्थियों

को शिक्षा शुल्क में 50 फीसदी छूट के साथ दे रहा है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक अशुमान उपाध्याय ने बताया कि गृह, मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से एक छह महीने का पाठ्यक्रम सर्टिफिकेट कोर्स इन एंटील्युमन ट्रेफिकिंग संचालित कर रहा है जो पुलिस और अन्य सुरक्षा कर्मियों के लिए फायदेमंद है। डॉ. कमल सक्सेना ने इग्नू स्टडी सेंटर के बारे में बताया।

6

Next, Bareilly, 2 May 2014

## नॉऊ इग्नू विल 'क्रिएट' काउंसलर्स

» इसी सेशन से स्टार्ट होगा कोर्स

» स्टूडेंट्स के लिए फायदेमंद

bareilly@next.co.in

**BAREILLY (1 May):** हॉरिंग गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) अब काउंसलर्स तैयार करने का भी काम करेगी। अब तक यूजी, पीजी, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स कंडक्ट करने के साथ मैनेजमेंट गुरु भी तैयार करती आई है। इसी क्रम में इग्नू ने काउंसलर्स तैयार करने के लिए एक प्रोफेशनल कोर्स सामू किया है, जो इसी सेशन से स्टार्ट हो जाएगा। इस कोर्स को करने के बाद स्टूडेंट्स कई एरियाज में बतौर काउंसलर्स के पद पर जांच कर सकते हैं यह फिर अपनी काउंसिलिंग यूनिट भी खोल सकते हैं। यह कोर्स उन स्टूडेंट्स के लिए काफी फायदेमंद होगा जो जांच करते हुए सोशल सर्विस भी करना चाहते हैं।

### Master course है यह

इग्नू की रीजनल डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि यह दो वर्ष का मास्टर कोर्स है। रैजुएशन करने के बाद स्टूडेंट्स कोर्स कर सकते हैं, धर्सेट को वे बरेली कॉलेज स्थित स्टडी सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने बताया कि कोर्स का नाम मास्टर ऑफ सोशल वर्क इन काउंसिलिंग है, जो उसी स्टडी सेंटर

### मोबाइल स्टडी सेंटर से पढ़ाई

डायरेक्टर डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि दूर दराज के ग्रामीण एरिया में इग्नू का सेंटर खोलने के फायदे हैं। उन्हें पढ़ने के लिए सेंटर पर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए मोबाइल स्टडी सेंटर का यूज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड के लखीमपुर में यह काफी सफल सफल रहा है। इग्नू के शिक्षा से सर्वोच्चता अभियान के तहत इसे इस्तेमाल किया गया, जिसके माध्यम से ग्रामीण एरिया के लोग खासकर लेडीज को हायर एजुकेशन दी जाती है। छहलखंड एरिया में भी इस योजना के तहत मोबाइल स्टडी सेंटर का यूज किया जाएगा।

पर कंडक्ट किया जाता है जिस कॉलेज व यूनिवर्सिटी में सोशल वर्क की पढ़ाई कराई जाती है। स्टडी सेंटर के समन्वयक डॉ. कमल कुमार सक्सेना ने बताया कि जुलाई वाले सेशन से कोर्स को स्टार्ट किया जा रहा है। 20 जून फॉर्म जमा करने की लास्ट डेट है। लेट फीस के साथ 31 जुलाई तक फॉर्म जमा कर सकते हैं। रजिस्ट्रार के अनुसार पर्याप्त स्टूडेंट्स अप्लाई करेंगे तभी कोर्स कंडक्ट कराया जा सकता है।

### Counsellors are in demand

रीजनल सेंटर के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अनिल कुमार मिश्रा और असिस्टेंट डायरेक्टर अशुमान उपाध्याय ने बताया कि लाइफ स्टाइल और सामाजिक परिवेश को देखते हुए आज मार्केट में काउंसलर्स की काफी डिमांड है। गवर्नमेंट सेक्टर, एन्क्रीडी, यहां तक कि कॉरपोरेट सेक्टर में भी टैंड काउंसलर्स अवाइल किए जाते हैं। यह कोर्स उनकी नीड को रिकलकुलेट करेगा, जो लोग को स्ट्रेस से बाहर निकलने और उनकी सेवा को नए आयाम देने का काम करते हैं।

सामाजिक परिवेश को देखते हुए आज मार्केट में काउंसलर्स की काफी डिमांड है।





## यंगिस्तान 5

# इग्नू देगा एमएसडब्ल्यू इन काउंसिलिंग की डिग्री



पाठ्यक्रम की जानकारी देती इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डा. मनोरमा सिंह।

बरेली। अब सिर्फ एमए इन सोशल वर्क ही नहीं, बल्कि एमए सोशल वर्क इन काउंसिलिंग पढ़िए। इग्नू के इस नए कोर्स में दाखिले के लिए 20 जून तक ही आवेदन कर सकते हैं। लेट फीस के साथ 31 जुलाई तक का समय है। यह कोर्स करने के बाद परामर्शदाता बनने का मौका मिलता है। बरेली कॉलेज में इग्नू के स्टडी सेंटर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने इग्नू के नए कोर्स, शिक्षा को लेकर चल रहे अभियान आदि के बारे में विस्तार से बताया।

इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की ओर से उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए 'शिक्षा से सर्वोच्चता' अभियान शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत महिलाओं, गांव के लोगों और आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू की प्रवेश नीति 'जब चाहे तब प्रवेश पाओ' के तहत छात्र कभी भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि महिला

### रीजनल डायरेक्टर ने दी जानकारी, शिक्षा से सर्वोच्चता का अभियान गुप्त

शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'बेटियों को पढ़ाओ, परिवार का गौरव बढ़ाओ' का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है। इससे महिला अभ्यर्थियों की संख्या बढ़कर 50 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है।

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के उप निदेशक डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि कृषि से संबंधित शिक्षा के प्रसार के लिए इग्नू छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स और एक साल का डिप्लोमा गांवों में रह रहे विद्यार्थियों को शिक्षा शुल्क में 50 फीसदी छूट के साथ दे रहा है। यह छूट गरीबी रेखा से नीचे के विद्यार्थियों को भी दी जा रही है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से एक छह महीने का पाठ्यक्रम सर्टिफिकेट कोर्स इन एंटीह्यूमन ट्रेफिकिंग संचालित कर रहा है जो पुलिस और अन्य सुरक्षा कर्मियों के लिए फायदेमंद है।